महत्वपूर्ण एवं खास

क्राइम ब्रांच का अफ सर बताकर लूटपाट, दूसरा आरोपी भी बंदी

महासमुंद (आरएनएस)। स्वयं को क्राइमब्रांच का अफसर बताकर फेरी वाले के झोले में गांजा और नशीली दवाए रखने और मामला तैयार करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करते हुए परिजनों से 20 हजार रुपए की उगाही मामले में सरायपाली पुलिस ने दूसरे आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि एक आरोपी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था। सरायपाली थाना प्रभारी आशीष वासनिक ने बताया कि झिलमिला मनजीत ढाबा सरायपाली की ओर मुखबिर के बताए स्थान पर घेराबंदी कर युवक को पकड़ा। पूछताछ करने पर उसने अपना नाम हरिचंद सेठ उर्फ मुन्ना पिता भोजराज सेठ (25) साकिन तबड़ा थाना सोहेला जिला बरगढ़ वर्तमान निवासी वार्ड 3 बस्ती सरायपाली का होना बताया। उसने अपराध करना कबूल किया। उसे गिरफ्तार कर ज्यूडिशियल रिमांड पर भेजा गया है। उक्त कार्रवाई में एएसआई रामानीलाल टांडेकर, आरक्षक अनंत गेंड्रे, योगेंद्र बंजारे, कमल जांगड़े व थाना स्टाफ का योगदान रहा।

कांकेर मेडिकल कॉलेज में स्टाफ नर्स की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा के चार प्रश्नों को किया गया विलोपित

जगदलपुर (आरएनएस)। कांकेर मेडिकल कॉलेज में स्टाफ नर्स की भर्ती हेतु आयोजित परीक्षा के चार प्रश्नों को विलोपित कर दिया गया है। बस्तर संभाग विशेष कनिष्ठ कर्मचारी चयन बोर्ड के सचिव द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज कांकेर में स्टाफ नर्स के रिक्त पदों की पूर्ति के लिए के लिए 13 मार्च को आयोजित स्टॉफ नर्स भर्ती परीक्षा के प्रश्न पत्र में 04 प्रश्न त्रुटिपूर्ण मुद्रण होना परिलक्षित हुआ है। उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए स्टॉफ नर्स भर्ती परीक्षा के स्श्वञ्ज क्च में जिन प्रश्नों का मुद्रण नहीं हो पाया, उन प्रश्नों के प्रश्न पत्र स्श्वञ्ज-्र, ष्ट, ष्ठ से विलोपित किया जाकर स्टॉफ नर्स की परीक्षा के सभी अभ्यर्थियों को 04 अंक बोनस दिया जाएगा। प्रश्न पत्र का मूल्यांकन शेष 96 त्रुटिरहित प्रश्नों के आधार पर किया जाएगा।

24 किलो गांजा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार एक फ रार

कवर्धा (आरएनएस)। आरोपी वेगनआर कार ष्द 09 ब्द्य 4291में बेंचने के फिराक में रखे थे गांजा। आरोपी रितेश चन्द्रवंशी पिता गीताराम चन्द्रवंशी उम्र 24 निवासी गंडई कला, चंद्रेश चन्द्रवंशी पिता संतोष चन्द्रवंशी उम्र 19 वर्ष गंडई खुर्द, फरार आरोपी नितिन चन्द्रवंशी पिता संतोष उम्र 21वर्ष चन्द्रवंशी ग्राम भरेली के ऊपर नियमानुसार कार्यवाही की गई।

केदई रेंज में हाथियों का दल मौजूद

कोरबा (आरएनएस)। जिले के वनमंडल कटघोरा में हाथी समस्या खत्म होने का नाम नही ले रहा है। यहां के केदई रेंज के कापानवा पारा में 42 हाथी मौजूद है। जो जंगल में विचरण कर रहे है। इन हाथियों ने फिलहाल कोई नुकसान नही पहुंचाया है। लेकिन उत्पात की संभावना को देखते हुए वन विभाग सर्तक हो गया है। वन विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा क्षेत्र में मुनादी कराने के साथ ही हाथियों की लगातार निगरानी की जा रही है। बड़ी संख्या में हाथियों के मौजूद रहने से कापानवा पारा व आसपास के गांवो के लोग काफी दहशत में है। और उन्हें इस बात की चिंता सताए जा रहे है। कही हाथियों का दल बस्ती में घुस कर बड़ा नुकसान न कर दे।

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति के 227 प्रकरण लंबित-टेकाम

रायपुर (आरएनएस)। स्कूल शिक्षा मंत्री डा. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने विधानसभा में कांग्रेस विधायक अरूण वोरा के लिखित प्रश्नों के उत्तर में बताया कि प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग अंतर्गत अनुकंपा नियुक्ति के 227 प्रकरण लंबित है। उन्होंने यह भी बताया कि दुर्ग जिले में पिछले 03 वर्षों में अनुकंपा नियुक्ति के कुल 133 आवेदन प्राप्त हुए है, जिनमें से 16 आवेदन निरस्त किये गये है एवं 110 आवेदकों की नियुक्ति हुई है।

छत्तीसगढ़ से कृषि उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा दिया जाएगा : कृषि उत्पादन आयुक्त

- फाईटोसेनेटरी लैब की स्थापना से निर्यातकों को मिली उत्पादों के प्रमाणीकरण की सुविधा : डॉ. चंदेल
- कृषि विश्वविद्यालय द्वारा निर्यातक जागरूकता मीट-2022 आयोजित

रायपुर (आरएनएस)। कृषि उत्पादन आयुक्त डॉ. कमलप्रीत सिंह ने कहा है कि छत्तीसगढ़ से कृषि, बागवानी तथा लघु वनोपज उत्पादों के निर्यात की संभावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार द्वारा इनके निर्यात को बढ़ावा देने हेतु कार्ययोजना तैयार की जा रही है। उन्होंने कहा कि निर्यात किये जाने वाल उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा निर्यात के मापदण्ड़ों को पूरा करने में राज्य सरकार यहां के निर्यातकों को हरसंभव मदद करेगी। डॉ. सिंह ने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में फायटोसेनेटरी लैब की स्थापना से राज्य के किसानों, व्यापारियों एवं उत्पादक निर्यातकों को अपने कृषि उत्पादों के प्रमाणीकरण की सुविधा प्राप्त हो सकेगी। उन्होंने इस लैब की स्थापना के लिए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल तथा संबंधित वैज्ञानिकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कृषि उत्पादन आयुक्त आज यहां इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की फायटोसेनेटरी लैब द्वारा हाईब्रिड मोड में आयोजित निर्यात जगरूकता मीट-2022 को संबोधित कर रहे थे। इस निर्यातक जागरूकता मीट में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल तथा विश्वविद्यालय प्रशासन के अधिकारी वैज्ञानिक एवं बड़ी संख्या में निर्यातक शामिल हुए।

निर्यातक मीट को संबोधित करते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में कृषि उत्पादों की जांच की सुविधा न होने के कारण यहां के निर्यातकों को निर्यात में कठिनाई होती थी। इसे देखते हुए इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा राज्य सरकार के सहयोग से यहां फायटोसेनेटरी लैब की स्थापना की गई है, जहां कृषि एवं लघु वनोपज उत्पादों में पेस्टिसाईड अवशेष, हैवी मेटल, रोगाणुओं तथा जैनेटिक मॉडिफिकेशन की जांच की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि किसी भी कृषि उत्पाद के निर्यात हेतु यह जांच करवाया जाना आवश्यक है। निर्यातकों को काफी कम दरों पर यह सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है। डॉ. चंदेल ने कहा कि फायटोसेनेटरी लैब को परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशालाओं हेतु राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एन.ए.बी.एल.) द्वारा मान्यता प्राप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यातक विकास प्राधिकरण (एपीडा) द्वारा भी इस लैब को मान्यता मिल चुकी है। उन्होंने कहा कि इस लैब की स्थापना एवं जांच की सुविधा उपलब्ध होने से यहां के निर्यातकों को अब अपने उत्पाद जांच हेतु छत्तीसगढ़ के बाहर भेजने की आवश्यकता नहीं होगी जिससे निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा इस लैब में चावल, सब्जियों, फलों तथा लघु वनोपजों के प्रमाणीकरण की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि आने वाल समय में इस प्रयोगशाला में जांच सुविधाओं का दायरा बढ़ाया जाएगा।

निर्यातक मीट को संबोधित करते हुए संचालक कृषि यशवंत कुमार ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कृषि उत्पाद के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए यहां सुगंधित चावल लघु धान्य फसलों, लघु वनोपज, औषधीय फसलों आदि के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस वर्ष राज्य में एक लाख हैक्टेयर के क्षेत्र में कोदो, कुटकी, रागी आदि लघु धान्य फसलों की खेती की जा रही है। आने वाले पांच वर्षों में इस बढ़ाकर 1.50 लाख हैक्टेयर करने का लक्ष्य रखा गया है। संचालक उद्यानिकी एम. माथेस्वरन ने कहा कि छत्तीसगढ़ से बागवानी फसलों के निर्यात की काफी संभावनाएं हैं इस देखते हुए यहां बागवानी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। बागवानी फसलों के विस्तार हेतु राज्य में उद्यानिकी विश्वविद्यालय और शाकंभरी बोर्ड का गठन किया गया है। उन्होंने बताया कि बाड़ी परियोजना के तहत राज्य में तीन लाख बाडियां स्थापित की गई है जिससे बागवानी फसलों का उत्पादन बढ़ा है।

निर्यातक मीट में एपीडा के प्रतिनिधि के रूप में अशोक कुमार बोरा तथा छत्तीसगढ़ लघु वनोपज महासंघ (छत्तीसगढ़ हर्बल) के प्रतिनिधि के रूप में भरत राज पुरोहित ने निर्यातकों को कृषि, बागवानी एवं लघुवनोपज उत्पादों के निर्यात हेतु आवश्यक प्रक्रियाओं, प्रमाणिकरण आदि के बारे में जानकारी दी। निर्यात मीट में राज्य के अनेक निर्यातकों ने कृषि उत्पादों के निर्यात में आने वाली कठिनाईयों तथा समस्याओं के बारे में जानकारी दी तथा इनका विशेषज्ञों से निराकरण प्राप्त किया। इस मीट में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के संचालक अनुसंधान डॉ. पी.के. चन्द्राकर, निदेशक विस्तार डॉ. आर.के. बाजपेयी, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, रायपुर डॉ. एम.पी ठाकुर, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय डॉ. विनय पाण्डेय, अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी महाविद्यालय डॉ. एम.पी. त्रिपाठी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एस.बी. वेलुरकर एवं परियोजना समन्वयक डॉ. अर्चना एस. प्रसाद उपस्थित थे।

इंजेक्शन और दवा देने के बाद पथरी पीड़ित युवक की मौत

- परिजनों ने की पुलिस में शिकायत

कोरबा। सतरेंगा की पहाड़ी कोरवा महिला सोनी बाई और करतला क्षेत्र की राजकुमारी महंत उपचार के दौरान लापरवाही बरतने से मौत का मामला अभी पूरी तरह से ठंडा नहीं पड़ा है। इस बीच शहर के एक निजी अस्पताल में पथरी से पीड़ित मरीज की मौत होने को लेकर परिजनों ने जमकर हंगामा मचाया। मामले की जानकारी पुलिस को दी गई है।

जानकारी के अनुसार नगर के जे के हास्पिटल रामपुर क्षेत्र में यह घटना हुई। जांजगीर-चांपा जिले के करनौद गांव में रहने वाले संतोष डडसेना को पथरी की शिकायत थी। स्थानीय स्तर पर उपचार कराने पर जब उसे कोई राहत नहीं मिली तो उसने कोरबा का रूख किया। पथर्रीपारा में उसका साढ़ू हरिश रहता है। उससे यह जानकारी साझा की गई और आगे निराकरण पर बातचीत की गई। बाद में ये दोनों निजी अस्पताल पहुंचे। कहा गया कि वहां के चिकित्सक ने पथरी के कारण दर्द होने की बात कही और संतोष को भर्ती कर लिया। इंजेक्शन और दवा देने के कुछ देर बाद संतोष को पसीना आने लगा। उसने बेचैनी भी महसूस की। इसके कारण छटपटाहट शुरू हो गई। मामले बिगड़ता देख अस्पताल स्टाफ हरकत में आया। आनन-फानन में एंबुलेंस से पीड़ित को दूसरे अस्पताल ले जाया गया लेकिन कहीं भी उसे उपचार देने को कोई तैयार नहीं हुआ। इसके बाद पीड़ित को वापस जेके हास्पिटल लाया गया जहां संतोष की मौत हो गई। मृतक के रिश्तेदार और परिजन इस घटनाक्रम को लेकर रामपुर चौकी पहुंचे और नाराजगी दिखाते हुए लापरवाही करने वालों पर कार्रवाई करने की मांग की। दूसरी ओर अस्पताल के संचालक ने तर्क दिया कि उसके द्वारा सही इलाज किया जा रहा था, नतीजे अनुकूल क्यों नहीं आए समझ से परे हैं।

उल्लेखनीय है कि पिछले महीने दो महिला मरीजों की मौत को लेकर चिकित्सक व कर्मचारियों पर लापरवाही बरतने के आरोप लगे थे। दोनों मृका ग्रामीण क्षेत्रों से वास्ता रखती थी। इनमें से एक पहाड़ी कोरवा विशेष संरक्षित जनजाति की सोनी बाई थी। अपने घर पर गिर जाने से उसके पैर में फ्रैक्चर आया था। जिला अस्पताल में उसे उपचार देने के बजाय निजी अस्पताल का रास्ता दिखा दिया गया। वहां प्राथमिकता की बात कहते हुए दूसरे मरीजों का ऑपरेशन किया गया है और पहाड़ी कोरवा को अनावश्यक इंतजार करवाया गया। इस खेल में उसकी मौत हो गई थी। मामले के तूल पकडऩे पर मामले की जांच की गई और जिला अस्पताल के तीन कर्मचारियों की सेवाएं समाप्त कर दी गई जो जीवनदीप के अंतर्गत रखे गए थे। जबकि दूसरे मामले में एक निजी अस्पताल को सील करने के कुछ दिनों के बाद उसे बहाल कर दिया गया।

महिला स्व-सहायता समूहों के बनाए हर्बल गुलाल से रंगीन होगी होली

कोरिया (आरएनएस)। होली यानी रंगों का त्यौहार, रंगों का विशेष महत्व रखने वाले इस त्यौहार में केमिकल रंगों ने त्यौहार की चमक कम की है। इन केमिकलयुक्त रंगों से नुकसान होने के साथ ही त्वचा संबंधी कई बीमारियों के होने की भी आशंका रहती है। इस नुकसान से बचने और त्यौहार की रंगत को फिर जीवित करने कोरिया जिले की महिलाओं ने हर्बल रंगों से गुलाल बनाने का काम शुरू किया है।

'इस तरह बनाया जा रहा ग़ुलाल -'विकासखण्ड बैकुण्ठपुर के ग्राम डकईपारा में चार महिला स्व सहायता समूह माँ महामाया, उजाला, महिला एवं दुर्गे स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त कर हर्बल ग़ुलाल बनाया जा रहा है। समूह की महिलाओं ने गुलाल बनाने की प्रक्रिया की जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रक्रिया में प्राकृतिक रंग के अर्क को अरारोट के साथ मिलाया जाता है। फिर इसे सुखाकर पीसते हैं। और अंत मे प्राकृतिक सुगंध का प्रयोग कर गुलाल तैयार किया गया है। हर्बल ग़ुलाल से केमिकल रंगों से होने वाले साइड इफेक्ट से बचाव होगा, इसके साथ ही समूह को स्वरोजगार की भी प्राप्ति हो रही है।

वीआईपी वार्ड क्र.13 में नियमित साफ -सफाई नहीं, गंदगी ने बढ़ाई परेशानी

कोरबा। वीआईपी वार्ड के बावजूद लोगों की समस्याएं कई हिस्सों में कायम है। उनकी परेशानी लगातार बढ़ रही है। परिवहन नगर वार्ड संख्या 13 का हाल भी कुछ ऐसा है। नियमित साफ सफाई न होने से वार्ड के एक बहुत बड़े हिस्से में नागरिकों को दुष्वारियां झेलनी पड़ रही है। आंतरिक मार्गों की दुर्गति के चक्कर में भी लोग परेशान हो रहे हैं।

लोगों ने सोचा था कि समय के साथ यहां की तस्वीर बदलेगी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वार्ड नं.13 के अंतर्गत एसईसीएल की 15 ब्लॉक कालोनी शामिल है। यहां पर आंगनबाड़ी केंद्र के आसपास गंदगी का ढेर लगा हुआ है। ऐसी ही दशा के बीच बच्चों की उपस्थिति अपने केंद्र में होती है। प्राथमिक शिक्षा और पोषण को लेकर केंद्र में होने वाली गतिविधियों को बच्चों का मन मौजूदा तस्वीर में कितना रमता होगा इसे आसानी से समझा जा सकता है। लोग बताते हैं कि यहां की साफ.सफाई की जिम्मेदारी जिन हाथों में दी गई हैए उनकी उपस्थिति कब होती है इसे कोई नहीं जानता। यही कारण है कि यहां.वहां कचरे का पहाड़ खड़ा हो रहा है। एसईसीएल कालोनी क्षेत्र में भी सर्वत्र यही हाल है। गर्मी का मौसम शुरू होने के साथ अंदेशा जताया जा रहा है कि ऐसे में बीमारी फैल सकती है और लेने के देने पड़ सकते हैं। लोगों ने इस बात पर भी चिंता जताई है कि इलाके के संपर्क मार्गों की दुर्दशा को लेकर न तो एसईसीएल ध्यान दे रहा है और न ही नगर निगम। कुछ समय पहले एसईसीएल ने काम चलाऊ व्यवस्था के आधार पर एक ही दिन में पूरे कालोनी की सडक़ ठीक कराई थी।

जिला अधिवक्ता संघ के संजय अध्यक्ष व नूतन सचिव निर्वाचित

कोरबा। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में संजय जयसवाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी गणेश कुलदीप को 40 मतों से हराकर चुनाव जीत लिया है। उपाध्यक्ष पद पर सुरेश कुमार शर्मा, महिला उपाध्यक्ष उत्तरा राठौर व सचिव के पद पर नूतन सिंह ठाकुर को निर्वाचित घोषित किया गया है।

कोषाध्यक्ष अमरनाथ कौशिक, संस्कृति सचिव रवि भगत, सह सचिव किरण भान शांडिल्य, ग्रंथालय सचिव पद पर कमलेश श्रीवास विजयी रहे। काफी गहमागहमी माहौल में मतदान किया गया। मतदाताओं ने मतदान को लेकर उत्साह बना रहा और अंतिम समय तक 732 में 666 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। तदुपरांत मतगणना की प्रक्रिया शुरू हुई।

दो वर्ष के लिए हो रहे जिला अधिवक्ता संघ चुनाव में अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, उपाध्यक्ष महिला कनिष्ठ, सहसचिव, ग्रंथालय सचिव, सांस्कृतिक व क्रीड़ा सचिव के एक-एक पद तथा कार्यकारिणी के छह पद के लिए मतदान किया गया। न्यायलय परिसर में सुबह से ही गहमागहमी का माहौल बना हुआ था। मैदान में उतरे प्रत्याशियों ने अपने समर्थक अधिवक्ताओं के लिए अलग-अलग स्थान पर टेंट लगा कर बैठक की व्यवस्था की थी। प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही अधिवक्ताओं ने कतारबद्ध होकर मतदान किया। वहीं मतदाता अधिवक्ताओं को मैदान में उतरे प्रत्याशियों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से मुलाकात कर अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते रहे। शाम चार बजे तक मतदान की प्रक्रिया पूरी की गई। तदुपरांत एक घंटे के विश्राम बाद मतगणना की प्रक्रिया शुरू हुई। चुनाव अधिकारी सीके शर्मा अपने सहयोगियों के साथ मतदान की मतगणना की प्रक्रिया पूरी कराए। रात नौ बजे के बाद परिणाम की घोषणा शुरु हुई। कोषाध्यक्ष अमरनाथ कौशिक, संस्कृति सचिव रवि भगत, सह सचिव किरण भान शांडिल्य, ग्रंथालय सचिव कमलेश श्रीवास विजयी रहे। वहीं कार्यकारिणी सदस्य के लिए 12 लोग मैदान में उतरे थे। इसमें हरिशंकर श्रीवास मत 420, अंचला राठौर मत 398, लीना साहू मत 367, सावित्री धान्धी मत 342, अमित साहू मत 329, क्रांति श्रीवास मत 305 मतों से विजयी रहे।

भू-विस्थापितों को रोजगार दिलाने बनी सहमति, खदान बंद आंदोलन स्थगित

कोरबा। पुराने रोजगार के 125 मामले निराकरण करने की पहल होने के बाद भू-विस्थापितों ने कुसमुंडा खदान बंद आंदोलन स्थगित कर दिया। जिला प्रशासन की उपस्थिति में हुई त्रिपक्षीय वार्ता के बाद आंदोलनकारियों ने निर्णय लिया गया। साथ ही कहा कि 25 मार्च तक समस्या निदान नहीं होती है तो पुन: किया जाएगा।

साउथ इस्टर्न कोलफिल्ध्ड्स लिमिटेड एसईसीएल की कुसमुंडा खदान के प्रभावितों को रोजगार के मामले को लेकर पार्षद अमरजीत सिंह की अगुवाई में भू- विस्थापित व किसान सभा ने बंद कराने की चेतावनी दी थी और आंदोलन की तैयारी शुरू कर दी थी। इस पर रविवार को अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी सुनील कुमार नायक, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा, की अध्यक्षता में त्रिपक्षीय बैठक आयोजित की गई। इसमें एसडीएम कटघोरा नंदजी पांडेय, तहसीलदार कटघोरा सोनित मारिया, नायब तहसीलदार दीपका विरेंद्र श्रीवास्तव, प्रभारी तहसीलदार दर्री सोनू अग्रवाल, डीएसपी ट्रेफिक शिवचरण परिसर, थाना प्रभारी कुसमुंडा लीलाधर राठौर, एसईसीएल की ओर से कुसमुंडा संजय मिश्रा, उपमहाप्रबंधक आरके बघावन उपस्थित रहे। बैठक में निर्णय लिया गया कि पुराने रोजगार के कुसमुंडा क्षेत्र के 125 मामलों पर निर्णय लेने के लिए एसईसीएल कुसमुंडा, राजस्व विभाग, भू-विस्थापितों की बैठक में स्कूटनी की जाएगी।

25 मार्च तक इन मामलों का निराकरण नहीं किए जाने पर भू-विस्थापित आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। सहमति बनने के बाद आंदोलनकारियों ने सोमवार को प्रस्तावित आंदोलन स्थगित कर दिया। इस मौके पर पार्षद अमरजीत सिंह, माकपा जिला सचिव प्रशांत झा, पार्षद बसंत चंद्रा, अजय प्रसाद, शाहिद कुजूर, किसान सभा से दीपक साहू, राधेश्याम कश्यप, दामोदर श्याम, रेशमलाल यादव, बलराम कश्यप, राजेश यादव समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीआइएसएफ में पदस्थ दंपति पर मानव तस्करी का मामला दर्ज

कोरबा। झारखंड में रहने वाली एक महिला को हर माह रूपये भेजने की लालच देकर उसकी सात साल की पुत्री को सीआइएसएफ जवान दंपति कोरबा ले आए। मासूम बच्ची से घर का पूरा कामकाज कराया जा रहा था। यही नहीं रात को भरपेट खाना भी नहीं दिया जाता था। बच्ची ने पिटाई करने की भी जानकारी बाल कल्याण समिति को दी है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने मानव तस्करी के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

संदीप उरांव व उसकी पत्नी जगरानी खाका केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल सीआइएसएफ में हवलदार के पद पर पदस्थ हैं। झारखंड के गुमला थाना अंतर्गत आने वाले जोरिया गांव में रहने वाली एक बेवा महिला की आर्थिक तंगी का फायदा उठाते हुए संदीप व जगरानी ने उसकी सात साल की बेटी को अपने साथ निवास स्थान दर्री सीआइएसएफ कालोनी ले आए थे। उन्होंने उसकी मां को भरोसा दिलाया था कि घर का थोड़ा बहुत कामकाज करेगी और इसके बदले उसे खाना पीना, कपड़ा प्रदान करेगा। इसके अलावा प्रतिमाह एक हजार रुपये उसे भेजा करेगा। उसने यह भी वादा किया था कि उसकी बेहतर शिक्षा के लिए एक अच्छे स्कूल में दाखिला भी कराएगा। इसके ठीक उलट 27 फरवरी को कोरबा बच्ची को लाते ही घर के झाड़ू, पोछा, बर्तन कपड़ा समेत तमाम काम का बोझ उस पर डाल दिया गया। यही वजह है कि महज सात दिन बाद ठीक नौ मार्च को सुबह सात बजे बच्ची अपने साथ लाई सामान को लेकर घर से भाग गई। अकेले यहां वहां भटक रही बच्ची पर एक स्थानीय व्यक्ति की नजर पड़ी और उसने 112 डायल कर पुलिस को इससे अवगत कराया। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम बच्ची को लेकर दर्री थाना पहुंची। नियमानुसार पुलिस ने बच्ची को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया। काउंसलिंग के दौरान बच्ची ने आपबीती सुनाई। समिति की रिपोर्ट के आधार पर दर्री पुलिस ने सीआइएसएफ के जवान व उसकी पत्नी के खिलाफ मानव तस्करी का मामला धारा 370 के अलावा 323, 34 व जेजे एक्ट का भी अपराध पंजीबद्ध किया है।

बाल कल्याण समिति के सदस्यों को पीड़ित बच्ची ने जानकारी देते हुए बताया है कि आठ मार्च की रात को जगरानी ने ठीक से काम नहीं करने को लेकर नाराज होकर उसे झाड़ू से पीटा, इसलिए वह बेहद डर गई थी। सुबह होने पर वह घर से किसी को कुछ बताए बगैर घर से निकल गई। बच्ची को फिलहाल रामपुर स्थित बालिका गृह में रखा गया है। इसकी सूचना मिलने पर उसकी मां झारखंड से उसे लेने कोरबा पहुंच गई है। जानकारी मिली है कि उसके चार बच्चे हैं।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता — इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुछ सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां — मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु — प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें — संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उनके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU